अध्याय 4. कृषि

प्रश्न – कौन सा राज्य रबड के उत्पादन में अग्रणी है । तथा इसके अग्रणी होने के दो कारण दीजिए ।

उत्तर – केरल राज्य रबड के उत्पादन में अग्रणी है । तथा इसके अग्रणी होने के दो कारण निम्न है ।

1. रबड के लिए वर्ष भर उच्च तापमान और वर्षा चाहिए जो केरल में है।
2. सस्ता श्रम जो केरल में उपलब्ध है ।

प्रश्न – रबी और खरीफ फसल में अंतर स्पष्ट करों ।

उत्तर – रबी और खरीफ फसल में निम्न अंतर हैं :–

रबी	खरीफ
1. ये मानसून की समाप्ति पर बोयी जाती हैं ।	1. खरीफ फसलें मानसून के आगमन के साथ बोयी जाती हैं
2. रबी फसलों की अवधि अक्टूबर से अप्रैल मई तक होती हैं ।	2. जून जुलाई से अक्टूबर तक इसके फसलों की अवधि होती हैं ।
3. रबी की फसले मृदा की आद्रता पर निर्भर करती हैं ।	3. यें मानसून पर निर्भर करती हैं ।
4. इनकी फसलें मुख्यतः गेहूँ, मटर, चना और सरसों आदि ।	4. इनकी फसलें मुख्यतः चावल, ज्वार, मक्का, बाजरा आदि।

प्रश्न – भारतीय कृषि निर्वाह कृषि से व्यापारिक कृषि में बदल रही है चार बिन्दू देकर स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर –

1. स्वतंत्रता से पहले भारतीय कृषि निर्वाह कृषि थी, परन्तु स्वतंत्रता के पश्चात् आधुनिक आधुनिक कृषि विधियों का उपयोग करने से अधिक उत्पादन होने लगा जिससे व्यापारिक कृषि को बढावा मिला ।
2. भारत में विभिन्न प्रकार की व्यापारिक कृषियाँ की जा रही है जिससे भारत विदेशी मुद्रा अर्जित करता हैं । जैसे – जूट, कपास , और गन्ना ।
3. हरित क्रांति के बाद कृषि में आए आमूल परिवर्तनों से उत्पादन में कई गुना वृद्धि तथा बहुविध फसल प्रणाली को अपना कर किसानों ने निर्वाह कृषि को व्यापारिक कृषि में बदल दिया है ।
4. अंतराष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय बजारों में कृषि उत्पादों का तेजी से बढते माँग को पूरा करने के लिए भारतीय कृषि प्रणाली निर्वाह कृषि से व्यापारिक कृषि में बदल रही हैं।

www.atpeducation.com

Downloaded from: http://www.atpeducation.com/cbse-download.php Email: atpeducations@gmail.com

प्रश्न – भारत में तीन फसल ऋतुएँ कौन सी है ?

1. रबी – जून जूलाई से अक्टूबर तक ।
2. खरीफ – नवंम्बर से अप्रैल तक।
3. जायद – मई से जून तक ।

प्रश्न – एक रेशेदार फसल का नाम बताओं तथा इसके उत्पादन में अग्रणी राज्यों के नाम बताओं । इनके अग्रणी होने के तीन कारण दीजिए ।

उत्तर – रेशेदार फसल – कपास । इसके उत्पादन में अग्रणी राज्यों के नाम – गुजरात, महाराष्ट्र, और मध्यप्रदेश ।

इनके अग्रणी होने के तीन कारण निम्न है ।

1. इन प्रदेशों में कपास के लिए उतम मानी जाने वाली काली मृदा पायी जाती हैं ।
2. सस्ता श्रम तथा उपयुक्त जलवायु
3. यहाँ कच्चा माल के खपत के लिए कपडा उद्योग काफी विकसीत है ।

प्रश्न – भारत में ऐसे कौन से कारक है जो कृषि की अधिक उपज के लिए अनुकूल बनाते है ।

उत्तर –

1. मानसून

2. भारत में तीन फसल ऋतुएँ पाई जाती हैं ।
3. उपजाऊ मृदा और अनुकूल जलवायु ।
4. पर्याप्त धूप और लंबा आर्वधन काल ।

प्रश्न – पश्चिम बंगाल में जूट की कृषि के लिए भौगोलिक दशाँए क्या हैं ? उल्लेख कीजिए ।

उत्तर –

1. जूट उत्पादन के लिए डेल्टाई मृदा अनुकूल हैं ।
2. जूट के लिए मानसूनी जलवायु अनुकूल हैं ।
3. वर्धनकाल में उच्च तापमान 25^0 C आवश्यक हैं ।
4. अधिक वर्षा 150 सेमी से अधिक अनुकूल हैं ।

प्रश्न – भारत में खाद्यान्न उत्पादन में गिरावट को दूर करने के लिए सलाह दीजिए। कोई चार बिंदु।

उत्तर –

1. खाद्य फसलों के उत्पादन के लिए किसानों को आर्थिक सहायता दी जाए ।
2. खाद्य एवं बीजों पर सब्सीडी दी जाए ।

www.atpeducation.com

Downloaded from: http://www.atpeducation.com/cbse-download.php Email: atpeducations@gmail.com

3. किसानों को उनके खाद्यान्नों का उचित मूल्य दिया जाए ।
4. किसानों को खाद्यान्नों के उत्पादन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहित किया जाए ।

प्रश्न – निर्वाह कृषि और व्यापारिक कृषि में चार अंतर लिखिए ।

उत्तर –

निर्वाह कृषि	व्यापारिक कृषि
1. इस प्रकार की कृषि में किसान अपने और अपने परिवार के लिए ही अनाज उत्पन्न करता है।	1. यह कृषि बड़े पैमाने पर निर्यात के दृष्टि से पैदा की जाती है।
2. ये कृषि कम जनसंख्या वाले क्षेत्रों में की जाती हैं ।	2. ये कृषि अधिक जनसंख्या वाले क्षेत्रों में की जाती है।
3. इसके कुछ उदाहरण – चावल, गेहूँ, तथा लगभग सभी खाद्यान्न ।	3. इसके कुछ उदाहरण – गन्ना, कपास, और जूट।

प्रश्न – भारत में खाद्यान्नों के उत्पादन में आई गिरावट के चार कारणों का उललेख कीजिए ।

उत्तर –

1. किसानों ने खाद्य फसलों के स्थान पर नकदी फसलों का उत्पादन अधिक कर दिया ।
2. खाद्य फसलों की जगह फल , सब्जियों , तिलहन आदि की कृषि ने ले लिया ।
3. किसानों ने पशुपालन आरंभ कर दिया और खाद्य फसलों के उत्पादन पर कम ध्यान दिया ।
4. अपनी आय को बढ़ाने के लिए उद्यान कृषि को अपनाया ।

प्रश्न – भारत विश्व में सबसे बड़ा चावल उत्पादक क्यों नहीं हैं जबकि उसके सबसे अधिक फसल क्षेत्र हैं ? दो कारण दीजिए ।

उत्तर – भारत में चावल उत्पादन बड़ा कृषि क्षेत्र होते हुए भी कम हैं जिसके निम्न कारण हैं :–

1. भारत में धान के पौध लगाने की पुरानी विधि हैं जो हाथ से की जाती हैं ।
2. भारत में चावल की कृषि के लिए मशीनों का प्रयोग नहीं किया जाता हैं तथा लंबी समय प्रक्रिया के कारण प्रति एकड़ उत्पादन कम हैं ।

प्रश्न – भारत में चावल की कृषि के लिए अनुकूल भौगोलिक परिस्थितियों का वर्णन करो ।

उत्तर – भारत में चावल की कृषि के लिए अनुकूल भौगोलिक परिस्थितियों का वर्णन निम्न हैं :–

1. चावल एक उष्णकटिबंधीय पौधा हैं । इसके लिए अधिक तापमान और अधिक वर्षा की आवश्यकता होती हैं ।
2. बोते और काटते समय 24^0 C तापमान तथा कम से कम 100 सेमी वर्षा की आवश्यकता होती हैं ।
3. इसके लिए जलोढ़ मृदा आवश्यक हैं ।

Downloaded from: http://www.atpeducation.com/cbse-download.php Email: atpeducations@gmail.com

प्रश्न – हरियाणा तथा पंजाब में वर्षा की मात्रा कम होने के बावजूद चावल बड़े उत्पादन पर होता हैं । चार कारण दो।

उत्तर – हरियाणा तथा पंजाब में वर्षा की मात्रा कम होने के बावजूद चावल बड़े उत्पादन पर होता है जिसके निम्न कारण हैं :–

1. पंजाब तथा हरियाणा में सिंचाई के पर्याप्त साधन हैं ।
2. सस्ता श्रम उपलब्ध हैं ।
3. आर्थिक कारक जैसे :– बैंक सेवा एवं परिवहन सेना बड़े पैमाने पर उपलब्ध हैं ।
4. इन राज्यों के चावलो के क्वालिटी अच्छी हैं जिससे चावल के निर्यात को बढ़ावा मिला हैं ।

प्रश्न – भारत में स्वतंत्रता के बाद कृषि क्षेत्रों में हुए चार सुधारों का वर्णन करो ।

Or

प्रश्न – भारत में हरित क्रांति को बढ़ावा देने वाले चार कारकों या सुधारकों का वर्णन करो ।

उत्तर – भारत में स्वतंत्रता के बाद कृषि क्षेत्रों में हुए चार सुधारों का वर्णन निम्न हैं :–

1. तकनीकी सुधार जैसे :– कृषि के अत्याधुनिक मशीनों का उपयोग तथा वैज्ञानिक तकनीक पर आधारित कृषि ।
2. संस्थागत सुधार जैसे :– खेतों की चकबंदी तथा सरकार ने जमींदारी प्रथा की समाप्ति कर डाली ।
3. सिचाई सुविधाओं में सुधार जैसे :– नदियों पर बड़े बड़े बाँध बनाकर छोटी छोटी नहरें निकाली गई ।
4. सूचना क्षेत्र में सुधार जैसे :– किसानों को उपयोगी जानकारी देने के लिए रेडियों तथा टेलीवीजन का उपयोग , बैंको द्वारा ऋण और फसलों का बीमा ।

www.atpeducation.com

Downloaded from: http://www.atpeducation.com/cbse-download.php Email: atpeducations@gmail.com